विजयनगर या कर्नाटक साम्राज्य (1336-1672)

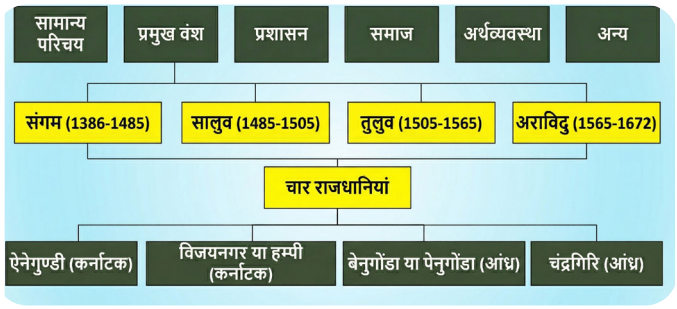

विजयनगर (1336 - 1672)

- संगम
  - **हरिहर I (1336-56)**
  - बुक्का I (1356-77)
  - हरिहर II (1377-1404)
  - **देवराय I (1406-1422)**
  - विजयराय
  - देवराय II (1425-64)
  - विरूपाक्ष II (1465-85)
- सालुव
  - **सालुव नरसिंह (1485-90)**
  - इम्मादी नरसिंह (1490-1506)
- तुलुव
  - वीर नरसिंह (1505-1509)
  - कृष्णदेव राय (1509-1529)
  - अच्युत देव राय (1529-42)
  - सदाशिव राय
- अराविदु
  - तिरुमल (1570-72)
  - श्रीरंगम प्रथम
  - वेंटक द्वितीय (1586-1614)
  - अंतिम - श्रीरंगम तृतीय
    - स्वतंत्र राज्य - मैसूर, मदुरा, तंजोर आदि

विजयनगर : हम्पी, तुंगभद्रा, कर्नाटक

सामान्य परिचय

1. **दक्षिण भारत का शक्तिशाली हिंदू साम्राज्य**
2. जानकारी → राजकाल निर्णय तथा विद्यारण्य कालज्ञान
3. **स्थापना**

- 1336
- हरिहर बुक्का
  - पिता - संगम - संगम वंश
  - गुरु - श्रृंगेरी मठ के **वैष्णव संत विद्यारण्य तथा सायण**
  - आरंभ - होयसाल वंश के राजा वीर बल्लाला के सेनापति
  - मोहम्मद बिन तुगलक के दक्षिण सेनापति
    - विरूपाक्ष (शिव) के प्रतिनिधि
    - दो शहर - विजयनगर व विद्यानगर, तुंगभद्रा
    - विद्यारण्य - कर्नाटक सिंहासन प्रतिष्ठान
    - हम्पी (खोज) - मैकेंजी (1800)

संगम वंश (1336-1485)

हरिहर प्रथम (1336-56)

1. **हरिहर व बुक्का**

- संगम वंश (विजयनगर) के संस्थापक
- संयुक्त शासन
  - राजधानी - अनेगोंडी
  - उपराजधानी - गुट्टी

2. **राजधानी परिवर्तन** → अनेगोंडी से हंपी (विजयनगर - तुंगभद्रा)
   - हम्पी (हस्तिनावली) का संस्थापक
3. **हरिहर व बुक्का:** होयसाल वंश के राजा वीर बल्लाला के सेनापति
4. **उपाधि** → हरिहर प्रथम → समुद्र का अधिपति

बुक्का प्रथम (1356-1377)

1. **हरिहर प्रथम का भाई**
2. **उपाधि**
   - दो समुद्रों का अधिपति
   - वेद मार्ग प्रतिष्ठापक
3. **मदुरा का विलय →** पुत्र कुमार कंपन (पत्नी गंगा देवी रचित 'मदुरा विजयम')
4. **बहमनी - विजयनगर संघर्ष →** कारण: रायचूर दोआब
   - कृष्णा व तुंगभद्रा नदी
   - उपजाऊ + लोहा + हीरा
5. **चीन से विदेशी संबंध →** राजनयिक संबंध (1374)

हरिहर II (1377- 1404)

1. **महाराजाधिराज की उपाधि - संगम वंश में प्रथम**
2. राजपरमेश्वर की उपाधि
3. वेदों के सर्वमान्य भाष्यकार - आचार्य सायण

देवराय प्रथम (1406-1422)

1. रायचूर दोआब को लेकर **फिरोजशाह बहमनी से संघर्ष**
   - देवराय के पुत्र विजय राय व मंत्री लक्ष्मीधर
2. दरबारी कवि → श्रीनाथ (पुस्तक : हरविलासमु)
3. इटली यात्री निकोलो कोंटी → 1420 में आगमन
   - दास प्रथा का वर्णन
4. तुंगभद्रा नदी पर बांध

देवराय द्वितीय (1425-1446)

1. **संगम वंश का महानतम शासक**
2. **उपाधियां →** गजबेटकर (हाथियों का शिकारी) + इम्मादि देवराय + इंद्र का अवतार

3. बहमनी साम्राज्य को हराया
   - सेना में वृहत स्तर पर मुसलमानों की भर्ती
   - मुसलमानों को जागीर
   - मंत्री व महादंडात्मक लक्कन दण्डेश - दक्षिण समुद्र का स्वामी
4. **अब्दुर्रज्जाक :- फारसी राजदूत का आगमन**
5. **सांस्कृतिक उपलब्धियां :-**
   - देवराय द्वितीय के ग्रंथ (संस्कृत)
     - ब्रह्मसूत्र पर टीका
     - महानाटक सुधानिधि
   - प्रसिद्ध तेलुगु कवि श्रीनाथ → कवि सार्वभौम की उपाधि तथा कनकाभिषेक (स्वर्ण वर्षा)

- हरविलासम्' (चार शैव कथाएँ)
- 'कृड़ाभिरामम्' (जो वारंगल के सामाजिक जीवन का वर्णन करती है)
- 'श्रृंगार नैषधम्' (नैषधीयचरित का पद्यानुवाद)
- 'काशीखंडमु'

❖ मंत्री लक्कन दण्डेश → शिवत्व चिंतामणि

❖ **6. अन्य शासक:-**

❖ मल्लिकार्जुन
- प्रौढ़ देवराय
- चीनी यात्री माहुआन

❖ विरूपाक्ष द्वितीय - अंतिम

विरुपाक्ष मंदिर हम्पी - शासक देव राय द्वितीय के नायक लक्कन दंडेशा

सालुव वंश (1485-1505)

❖ संस्थापक - सालुव नरसिंह (1485-1490)
- **प्रथम बलापहार** - सत्ता का बलपूर्वक अपहरण
- सालुव नरसिंह तथा सेनापति नरसा नायक द्वारा **विरुपाक्ष द्वितीय की हत्या**

❖ अंतिम - इम्मादि नरसिंह (1490-1505)
- **द्वितीय बलापहार** - नरसा नायक के पुत्र वीर नरसिंह द्वारा सालुव वंश के इम्माडि नरसिंह की हत्या

तुलुव वंश (1505- 1570)

संस्थापक - वीर नरसिंह (1505-09)	कृष्ण देवराय I (1509-1529)	अच्युत देवराय (1529-1542)	अंतिम - सदाशिव (1542-1570)
पुर्तगाली गवर्नर अल्मीडा	○ महानतम शासक ○ **पुर्तगाली यात्री डोमिंगो पेस**	○ "महामंडलेश्वर" नामक अधिकारी ○ **पुर्तगाली यात्री फर्नाओ नूनिज** (1535-1537)	○ मंत्री - रामराय ○ 23 जनवरी 1565 - राक्षसी तंगड़ी का युद्ध या तालिकोटा का युद्ध या बन्नीहट्टी का युद्ध

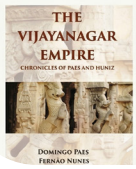

कृष्णदेव राय (1509-1529)

1. सामान्य परिचय :-

❖ विजयनगर साम्राज्य का महानतम शासक
- बाबर द्वारा अपनी आत्मकथा तुज़्क-ए-बाबरी अथवा 'बाबरनामा' में उल्लेख

❖ नरसा नायक का पुत्र तथा वीर नरसिंह का भाई

❖ राज्याभिषेक
- 26 जुलाई 1509
- **8 अगस्त 1509 : कृष्ण जन्माष्टमी**

❖ उपाधि- यवनराज स्थापनाचार्य, मूरत रायरा नंदा, सिंहसनाधीश्वर, अभिनव भोज, आंध्र पितामह

2. सैन्य उपलब्धियां:-

❖ 1509-10 → बीदर के शासक महमूद शाह तथा बीजापुर के यूसुफ आदिलशाह (मृत्यु) को हराया

❖ 1512 → बीजापुर शासक इस्माइल आदिलशाह को परास्त करके रायचूर दोआब पर अधिकार

❖ 1513 → उड़ीसा के गजपति शासक प्रताप रूद्रदेव को हराया

3. सांस्कृतिक उपलब्धियां:-

※ पुर्तगाली यात्री बारबोसा तथा डोमिगोस पायस : "कृष्णदेवराय एक वीर और आदर्श शासक था"

※ कृष्णदेव राय
- तेलुगु - आमुक्त माल्यद (मोतियों की माला : राजव्यवस्था)
- संस्कृत
  - जाम्बवती कल्याणम
  - उषा परिणय
  - मदालसा चरित्र

※ तेलुगु साहित्य का स्वर्णयुग — अष्टदिग्गज (8 तेलुगू विद्वान)
- सर्वप्रमुख - अल्लासानी पेद्दन

※ तमिल व कन्नड़ का भी सम्मान

※ लिपि — नंदीनगरी लिपि
- मनुचरितम (तेलुगु) एवं हरिकथासार
- तेलुगू व आंध्र कविता का पितामह

अन्य तथ्य :-

❖ कृष्णदेव राय→ नंदन गोप, रमा रमणा, महाकाब व कन्नड़ राज्य

❖ मां नागलादेवी की स्मृति → नागलपुर शहर

❖ **पुर्तगालियों से अच्छे संबंध**

❖ भुवन विजय / विश्व विजय - कृष्णदेव राय के राजदरबार का नाम
- राजगुरु - व्यास राज

❖ वैष्णव मत का अनुयायी → परंतु सहिष्णु

❖ मृत्यु → 1529

❖ निर्माण
- हजारा राम मंदिर (हम्पी, कर्नाटक)
- विट्ठलस्वामी मंदिर (भगवान विष्णु, हम्पी, कर्नाटक)
- थिल्लाई नटराजा चिदंबरम मंदिर (भगवान शिव, चिदंबरम, तमिलनाडु)
- **बांध : तिम्मासमुद्र और कोंडासमुद्र**
- वरदराज पेरुमल व एकाम्बरेश्वर मंदिर (कांचीपुरम : हजार मंदिरों के शहर")

अष्टदिग्गज में शामिल कवि

कवि	*रचना*
1. अल्लसनि पेद्दन	मनुचरितम एवं हरिकथासार
2. नंदी तिम्म	परिजातहरण
3. भट्टमुर्ति	नरसभूपालियम और हरिचन्द्रन लोपाख्यानम
4. धूर्जति	कलहस्तिमहात्म्य
5. मल्लन	राजशेखरचरित
6. अच्युतराज रामचन्द्र	सकलकथासारसंग्रह एवं रामाभ्युदयम
7. पिंगाली सूरत	राघवपाण्डीय
8. तेनाली रामकृष्णन	पाण्डुरग महात्म्य

तेलगू के पाँच महाकाव्य

महाकाव्य	*रचनाकार*
आमुक्तमाल्यद	कृष्णदेव राय
मनुचरितम्	अल्लसनि पेद्दन
वसुचरित	भट्टमूर्ति
राघवपाण्डवीयमु	पिंगलि सूरत
पांडुरंग महात्म्य	तेनाली रामकृष्ण

राक्षस तंगडी या तालिकोटा का युद्ध (23 जनवरी 1565- बीजापुर, कर्नाटक)

❖ राजा सदाशिव के मंत्री रामराय
- **रामराय** - हुसैन निजामशाह द्वारा हत्या
- **रामराय** - सेना में सर्वाधिक मुसलमान
- **तालिकोटी** – बीजापुर, कर्नाटक
- रॉबर्ट सेवेल - **एक विस्मृत साम्राज्य (पुस्तक)**
  - संसार के इतिहास में कभी भी इतने वैभवशाली नगर का इस प्रकार सहसा सर्वनाश नहीं किया गया जैसा कि विजयनगर का
- इतिहासकार वेंकटरमण : **विजयनगर का वाटर लू**

❖ चार बहमनी राज्य
- **बीजापुर** - अली आदिलशाह गोलकुण्डा - इब्राहिम कुतुब शाह
- अहमदनगर - हुसैन निजाम शाह बीदर - अली बरीद

बरार शामिल नहीं हुआ

अरावीडू वंश (1570-1672)

1. यह चौथा और अंतिम हिंदू राजवंश था जिसने विजयनगर साम्राज्य पर शासन किया ।
2. स्थापना : **तिरुमल** ने सदाशिव को अपदस्थ कर पेनुकोंडा में
3. अरावीडू शासक **वेंकट-II** के शासनकाल में ही **वोडेयार ने 1612 में मैसूर राज्य की स्थापना** की थी।
4. अरावीडू वंश का अंतिम शासक: **श्रीरंगा तृतीय**

विजयनगर आने वाला प्रमुख विदेशी यात्री			
यात्री	देश	काल	शासक
1. निकोलो कोंटी	इटली	1420 ई.	देवराय-I
2. अब्दुर्रज्जाक	फ्रांस	1442 ई.	देवराय-II
3. नूनिज	पुर्तगाल	1535 ई.	अच्युत राय
4. डोमिंग पायस	पुर्तगाल	1515 ई.	कृष्णदेव राय
5. बारबोसा	पुर्तगाल	1515-16	कृष्णदेव राय

विजयनगर का प्रशासन

- सामान्य प्रशासन
- प्रांतीय
- स्थानीय
- राजस्व
- सैन्य

सामान्य प्रशासन

1. **जानकारी** → कपालुरू, बागपल्ली व कोलार्क अभिलेख
2. **आनुवांशिक राजतंत्र** → सप्तांग विचारधारा
3. **राजा**
   - ईश्वर के समतुल्य
   - राय / नरपति

"हिन्दू सुरताण" की उपाधि मेवाड़ के महाराणा कुम्भा को दी गई थी

4. **राजा की सहायता हेतु**
   - राजपरिषद्
   - सामाजिक परिषद्
   - मंत्रिपरिषद्
     - सभागार : वेंकट विलास मंडप
5. **प्रमुख अधिकारी :-**
   - **प्रांतपति** → मंडलेश्वर या दण्डनायक या उदैय्यार(राजकुमार)
   - **कर्णिकम्** → लेखाधिकारी
   - **अमारा नायक** → सेनानायक
   - अमरम → सेना के रखरखाव हेतु नायक को दी गई भूमि
   - जोरीखाना → टकसाल अधिकारी
   - राससम → सचिव

- **साम्राज्य**
  - 6 मंडल (प्रांत)
  - कोट्टम/वलनाडु (जिला)
  - नाडू (परगना)
  - **मेलाग्राम (50 ग्रामों का समूह)**
  - स्थल व सीमा
  - उर (ग्राम)

आयंगर व्यवस्था : ग्राम प्रशासन

विजयनगर शासन : ग्राम प्रशासन की महत्त्वपूर्ण विशेषता

- प्रत्येक ग्राम को एक स्वतंत्र ईकाई के रूप में संगठित किया जाता था तथा
- इस ईकाई पर शासन के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 12 व्यक्तियों को नियुक्त किया जाता था जिन्हें **'आयगांर'** कहा जाता था।
- इन आयंगारों के पद **आनुवंशिक** होते थे तथा वे अपने पदों को बेच या गिरवी रख सकते थे।
- उन्हें **वेतन के बदले लगान** और कर मुक्त भूमि (मान्यम् भूमि) प्राप्त होती थी।
- सर्वप्रमुख उत्तरदायित्व : अपने अधिकार क्षेत्र में शान्ति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना

6. **प्रमुख आयंगार अधिकारि:-**

- **कर्णिकम** - भूमि की क्रय-विक्रय की लिखा पढ़ी तथा तत्सम्बन्धी दस्तावेजों को तैयार करना।
- **तलाइयारी/तलारा/तलस** - गाँव का चौकीदार
- **सेनाभोवा/सेनतेओवा** - ग्राम का लेखाधिकारी/आय व्यय का हिसाब रखना
- **मनियम/रेड्डी/गौड़** - ग्राम प्रशासक/मुखिया
- **अन्त्रिमार** - ग्राम प्रशासन का एक अधिकारी
- **बेगरा** - मजदूरों और उनके वेतन, बेरोजगार व्यक्तियों की देखभाल

राजस्व प्रशासन

1. **अधवन** → केंद्रीय राजस्व विभाग
2. **भूराजस्व (शिष्ट)** → उपज का 1/6
3. **विवाह कर** → वर व वधु
4. **भूमि के प्रकार:-**

- **अण्डारवाद ग्राम** - ऐसे ग्राम जिनकी भूमि राज्य के प्रत्यक्ष नियन्त्रण में थी तथा किसान राज्य को प्रत्यक्ष कर देते थे।
- **उम्बलि** - गाँवों में विशेष सेवाओं के बदले प्रदत्त कर मुक्त भूमि।
- **रत कोड़गे** - युद्ध में शौर्य प्रकट करने वाले या युद्ध में मृत सैनिकों के परिवार को प्रदत्त भूमि।
- **कुट्टगि** - बड़े भू-स्वामियों, मन्दिरों व ब्राह्मणों द्वारा खेती के लिए छोटे किसानों को पट्टे पर दी गई भूमि।
- **'वारम'**- भूस्वामी व पट्टेदार के बीच उपज की हिस्सेदारी की व्यवस्था।

5. **अन्य तथ्य:-**
   - **कूदि** - वे कृषक मजदूर जो भूमि के क्रय-विक्रय के साथ ही हस्तांतरित हो जाते थे।
   - कृष्णदेव राय के दरबार में **महिला अंगरक्षिकाओं** का वर्णन मिलता है

सामाजिक व्यवस्था

1. **चार वर्ण**
   - विपुलु (ब्राह्मण)
   - राजुलु (क्षत्रिय)
   - माफिजे रतलु (वैश्य)
   - नल जल तिवरु(शूद्र)
2. **अन्य वर्ग:-**
   - **चेट्टी** - व्यापारी व लिपिक वर्ग
   - **वीर पांचाल** - चेट्टियों के समान व्यापार करने वाला दस्तकार वर्ग
3. **वेस वग :-** मनुष्यों का क्रय विक्रय (दास प्रथा)
4. **महिला :-**
   - बहुपत्नीवाद ✓
   - सती प्रथा (स्वैच्छिक) ✓
   - पर्दा प्रथा ×
   - बाल विवाह व दहेज प्रथा ✓
   - कुलीन वर्ग में उच्च महिला शिक्षा ✓
   - देवदासी प्रथा ✓
     - वराह → स्वर्ण सिक्का
     - प्रताप व फणम → छोटे स्वर्ण सिक्के
     - तार व धौरहरे → चांदी सिक्का
     - डिजटेल → ताम्र

अन्य तथ्य

1. विजयनगर के मंदिर स्थापत्य की एक प्रमुख विशेषता → **कल्याण मंडप** एवं हजार स्तंभों वाले गोपुरम
   - एक मंदिर परिसर के अंदर एक सजावटी हॉल, जो भगवान शिव और देवी पार्वती के प्रतीकात्मक विवाह समारोह।
2. तिरुपति मंदिर में कृष्णदेवराय एवं उसकी पत्नियाँ तिरुमल एवं चिंता देवी की मूर्तियाँ हैं।
3. प्रमुख राज्योत्सव: **महानवमी (9 दिवसीय)**
   - **महानवमी डिब्बा**: विजयनगर साम्राज्य के हम्पी में तीन-स्तरीय पत्थर का मंच है
4. भीमक द्वारा रचित वासवपुराण (लिंगायत)
5. लक्ष्मी नारायण : कृष्णदेव राय का दरबारी संगीतकार
   - पुस्तक : सूर्योदय
6. **वीणा:** विजयनगर साम्राज्य का प्रसिद्ध संगीतवाद्य
7. **लिपाक्षी कला**: विजयनगर की **चित्रकला शैली**
   - विषय : रामायण एवं महाभारत
8. यक्षगान शैली: विजयनगर में नृत्य और संगीत की मिश्रित शैली
9. विजयनगर के पश्चिमी तटीय क्षेत्रों में **क्रूजेडो (पुर्तगाली)**, **दीनार (फारसी)**, **फ्लोरीन और डुकेट (इटली)** मुद्राएँ प्रचलित थीं।